HIN3B14a_cours-12-2013-04-25-county

लॉर्ड्स, क्रिकेट का मक्का, जहाँ 1787 में पहला मैच खेला गया था। मिडिलसेक्स और एसेक्स के बीच। दो सौ छब्बीस साल बाद मिडिलसेक्स की टीम फिर मैदान में है। डेर्बीशेर के साथ खेलने।... इंटरनेशनल मैचों में स्टेडियम खचाखच भरा होता है, काउंटी में नज़ारा दूसरा है। पाकिस्तान और केंट काउंटी टीम के कप्तान रह चुके अपने ज़माने के स्टार खिलाड़ी आसिफ इकबाल बताते हैं, पहले ऐसा नहीं था।

'मुझे अच्छी तरह याद है, जब हम खेलते थे, कभी एम्प्टी ग्राउंड्स नहीं थे। वहाँ, ईवन ऑन वीक डेज़ सपोर्टर्स हुआ करते थे दोनों काउंटीज़ के। एंड... यहाँ तो खाली स्टेंड्स पड़े हुए हैं। जिस ज़माने में हम खेलते थे, अ.. इट वाज़ ए स्पोर्ट। इट वाज़ फ़न। इट वाज़ एंटरटेनमेंट। अब वो नो लोंगर। ना वो स्पोर्ट रहा, ना वो एंटरटेनमेंट रहा। अब इट हैज़ विकम एन इंडस्ट्री।'

काउंटी क्रिकेट इंग्लैंड और वेल्स की प्रथम श्रेणी घरेलू क्रिकेट प्रतियोगिता के रूप में 1890 से खेली जा रही है। अब अभी इसमें अट्ठारह टीमें हैं जिन्हें दो डिवीज़नों में बाँटा गया है। मुकाबला पहले तीन दिन का होता था अब चार दिन का हो गया है।

एक वक़्त था जब बेदी, पटौदी, गावस्कर, कपिल, शास्त्री, अज़हर, गाँगुली, द्रविड़, सचिन, सहवाग ये सारे नाम काउंटी खेलने आया करते थे। लेकिन आई.पी.एल. शुरू होने के बाद केवल मुरली कार्तिक ऐसे हैं जो यहाँ नियमित रूप से आया करते हैं और इस साल अभी तक जो विदेशी खिलाड़ियों की सूची है उसमें कार्तिक का नाम भी नहीं है।

काउंटी में भारतीय खिलाड़ियों की घटती दिलचस्पी की असली वजह है पैसा और खेल का समय। बताते हैं बी.बी.सी. के पूर्व खेल संपादक और वरिष्ठ पत्रकार मेहर बोस -

'इंडियन क्रिकेटर्स को, अ.. फोर ए लोंग टाइम, इंडिया में पैसे मिलते थे। काउंटी क्रिकेट क्यों खेलने आते थे, पैसे के लिए खेलने आते थे, क्योंकि काउंटी क्रिकेट जब शुरू होता है, मई टू अगस्त, दूसरी जगह में क्रिकेट नहीं था, तो आई.पी.एल. क्या किया है, आई.पी.एल. इंडिया में बहुत पैसा मिलाया क्रिकेट को'

एक विश्लेषक ने कहा था कि क्रिकेट एक ऐसा भारतीय खेल है जिसका जन्म संयोग से इंग्लैंड में हो गया। अप्रैल में आई.पी.एल. और काउंटी के सीज़न में यह बात और सही लगती है।

अपूर्व कृष्ण, बीबीसी, लंदन